General Secretary of Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh is posted at Kanpur and the President has recently been transferred to Delhi, the Headquarters of the Rashtriya Kendriya Vidyalayas Adhyapak Sangh (RKVAS).

The President was nominated by the Executive Committee of the Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh in their meeting held on 25.12.1987 at Panipat.

Eye camp organised by the Lion's club in Kolar district in Karnataka

263. SHRIMATI SURYAKANTA JAYAWANTRAO PATIL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to the reply to the Unstarred Question 3035 given in the Rajya Sabha on the 23rd March, 1988 and state:

(a) the number of operations that were performed and what is the exact number of successful and unsuccessful operations done at the camp organised by Lions' club of Chintamani town, district Kolar of Karnatak on the 27th January, 1988;

(b) whether any patient has lost his eye sight after the operation; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) Out of 151 Cataract Operations performed in the camp, organised by the Lions' Club of Chintamani Town, District Kolar, Karnataka, between 21-1-88 and 5-2-88, 73 cases were reported to be in good condition, 70 cases developed post-operative infection and 8 cases did not turn up for final check-up nor could be traced by a team of Specialists which visited their houses in the villages for follow-up.

(b) and (c) 70 cases lost their sight in the eyes which were operated upon as a result of post operative infection in the operated eyes due to Psendomanas Pyocyaneous.

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से नवजात शिशुओं की चोरी

264. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से नवजात शिशुओं की चोरी के कितने मामले प्रकाश में आए है ;

(ख) ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जिनमें शिशु को उसके माता-पिता को वापस लौटाया जा सका है ;

(ग) कितने मामलों में अस्पताल के कर्मचारी लिप्त पाए गए तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई; और

(घ) भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपचारी उपाय किए हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जहां तक केन्द्र सरकार के अस्पतालों का संबंध है, पिछले तीन वर्षों के दौरान बच्चे उठाने/बदलने के केवल चार कथित मामले सूचित किए गए हैं ।

(ख) श्रीमती सुचेता कृपलानी और सफदरजंग अस्पताल से एक-एक बच्चा उठाया गया था जिन्हें पुलिस ने ढूंढ लिया है और माता पिता को सौंप दिया है । श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल के एक मामले का अभी तक पता नहीं चला है क्योंकि यह मालूम हुआ कि बच्चे की मां ने खुद ही अपने बच्चे को एक अज्ञात स्त्री को दे दिया था । चौथा मामला सफदरजंग अस्पताल से नवजात शिशु को बदलने का है । पुलिस ने एक बच्चे को उत्तर प्रदेश के एक शहर खुर्जा में पाया, जिसे कि बदले गए बच्चों की मां ने अपना बतलाया है । न्यायालय द्वारा